**प्रादेशिक हवामान पूर्वानुमान केंद्र, मुंबई आणि डॉ. बाळासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली**
**हवामानावर आधारीत कृषि सल्ला (रायगड जिल्हा)**
**(०२३५८) २८२३८७**

**अंक ७९/२०१७** | **दिनांक ०३/१०/२०१७** | **कालावधी ५ दिवस**


**डॉ. सुभाष चव्हाण,**
विभाग प्रमुख,
कृषिविद्या विभाग
९४२२४३१०६७

**डॉ. ज्ञानेश्वर जगताप,**
नोडल ऑफिसर,
कृषिविद्या विभाग
९४०३९८८१४३

**प्रा. विरेश चव्हाण,**
तांत्रिक अधिकारी,
कृषिविद्या विभाग
९४२२०६५३४४


| मागील हवामान सारांश दि. २९/०९/२०१७ ते ०३/१०/२०१७ | | |
|---|---|---|
| पाऊस (मिमी) | : | |
| पाऊस (मिमी) १/१/१६ पासून | : | |
| पाऊस (मिमी) (गेल्या वर्षी) | : | |
| कमाल तापमान (अं.से) | : | |
| किमान तापमान (अं.से) | : | |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | : | |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | : | |
| वाऱ्याचा वेग (किमी/तास) | : | |

| हवामान पूर्वानुमान (०४/१०/२०१७ सकाळी ८:३० पासून ०८/१०/२०१७ सकाळी ८:३० वाजेपर्यंत) | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **हवामानांचे घटक** | : | ०४/१० | ०५/१० | ०६/१० | ०७/१० | ०८/१० |
| पाऊस (मिमी) | : | ० | ० | ० | १ | ९ |
| कमाल तापमान (अं.से) | : | ३२ | ३२ | ३१ | ३१ | ३० |
| किमान तापमान (अं.से) | : | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ |
| मेघाच्छादन (ऑक्टा) | : | ४ | ६ | ८ | ६ | ८ |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | : | ७६ | ७३ | ७३ | ७८ | ८२ |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | : | ६४ | ६१ | ५५ | ६३ | ७० |
| वाऱ्याचा वेग (किमी/तास) | : | ००६ | ००६ | ००४ | ००९ | ०११ |
| वाऱ्याची दिशा | : | नै.प. | नै.द. | नै.द. | नै.द. | नै.प. |

**:हवामान पूर्वानुमान कृषि सल्ला:**

**दिनांक ७ व ८ ऑक्टोबर, २०१७ रोजी पावसाची शक्यता आहे. दिनांक ४ ते ८ ऑक्टोबर, २०१७ पर्यंत अवकाश मेघाच्छादित राहिल. दिनांक ४ ते ८ ऑक्टोबर, २०१७ पर्यंत वाऱ्याचा वेग ४ ते ११ किमी प्रति तास राहिल.**

| पिक | पिक अवस्था | कृषि सल्ला |
|---|---|---|
| **भात** | **लोंब्या भरणे आणि परिपक्वता** | • तयार झालेल्या हळव्या भात जातीची कापणी करून घ्यावी. |
| **आंबा, काजू** | **लागवड** | • आंबा आणि काजू बागेतील गवताच्या नियंत्रणासाठी गवताची कापणी विळयाच्या/गवत कापणी यंत्राच्या सहाय्याने करावी किंवा ग्लायफोसेट तणनाशक ३ ते ४ मिली प्रती लिटर पाण्यात मिसळून त्याची फवारणी गवतावर करावी. टिप – तणनाशकाची फवारणी केलेल्या बागेत जनावरे चरवीण्यासाठी सोडू नये. |
| **नारळ/ सुपारी** | –– | • नारळावरील गेंडाभुंगा या किडीच्या नियंत्रणासाठी बागेमध्ये शेणखताच्या खड्डयात दर दोन महिन्यांनी कार्बारील पावडरचे (१० लिटर पाण्यात २० ग्रॅम) मिश्रण तयार करून फवारावे.<br>• नारळावरील सोंडया भुंगा या किडीच्या नियंत्रणासाठी भुंगा या किडीच्या नियंत्रणासाठी भुंग्यानी पाडलेली भोके १० टक्के कार्बारील भुकटी व वाळूने बुजवून घ्यावीत. तसेच खोडावर १ मिटर उंचीवर गिरमिटाच्या सहाय्याने १५ ते २० सें.मी. खोल तिरपे भोक पाडून त्यामध्ये २० मिली ३६ टक्के प्रवाही मोनोक्रोटोफॉस किंवा २० टक्के प्रवाही क्लोरोपायरीफॉस नरसळयाच्या सहाय्याने ओतावे आणि भोक सिमेंटच्या सहाय्याने बंद करावे. |
| **भाजीपाला लागवड** | | • भाजीपाला क्षेत्रातील तणांचा बंदोबस्त करावा.<br>• पडवळ, घोसाळी, शिराळी इत्यादी फळीभाज्यांवर फळमाशीचा प्रादूर्भाव होण्याची शक्यता आहे, त्याच्या नियंत्रणासाठी "रक्षक" सापळे प्रती हेक्टरी ४ नग लावावेत. |
| **दुभती जनावरे/ शेळया** | – | • जनावरांना पिण्यासाठी स्वच्छ पाणी पुरवठयाची व्यवस्था करावी. |
| **सुचना** | – | • निरनिराळे किडी, रोग जास्त प्रमाणात आढळल्यास नजिकच्या कृषि विद्यापीठाचे केंद्र किंवा महाराष्ट्र शासनाचे कृषि अधिकारी यांच्याशी संपर्क साधावा. |